TECHNOLOGIES FOR
NEW INDIA@75
आज़ादी का अमृत महोत्सव

कार्यवाही रिपोर्ट

राष्ट्रीय हिंदी वैज्ञानिक संगोष्ठी

10-11 जनवरी, 2022

समाज-कल्याण में विकिरण एवं नाभिकीय प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग

इंदिरा गांधी परमाणु अनुसंधान केंद्र
कल्पाक्कम– 603 102

-: विषय सूची :-

1.0	प्रस्तावना	
2.0	संगोष्ठी का उद्देश्य	
3.0	संगोष्ठी परिचय	
4.0	आयोजन समिति	
5.0	उद्घाटन समारोह	
	5.1	विशिष्ट अतिथि का संबोधन
	5.2	अध्यक्षीय संबोधन
	5.3	मुख्य अतिथि का संबोधन
6.0	संगोष्ठी में प्रस्तुत आमंत्रित वार्ताओं एवं मौखिक प्रस्तुतियों का विवरण	
	6.1	प्रतिभागियों का ब्योरा
	6.1	तकनीकी सत्र -1 दिनांक 10-01-2022 समय 10:30-13:00 बजे तक
	6.2	तकनीकी सत्र- 2 दिनांक 10-01-2022 समय 14:00-18:15 बजे तक
	6.3	तकनीकी सत्र-3 दिनांक 11-01-2022 समय 10:30-13:00 बजे तक
	6.4	तकनीकी सत्र-4 दिनांक 11-01-2022 समय 14:00-16:30 बजे तक
7.0	समापन सत्र	
अनुबंध-क :: संगोष्ठी में भाग लेने वाले सामान्य प्रतिभागियों की सूची		
अनुबंध-ख :: आयोजन समिति के सदस्य		

1.0 प्रस्तावना

इंदिरा गांधी परमाणु अनुसंधान केंद्र, कल्पाक्कम की राजभाषा कार्यान्वयन समिति द्वारा विश्व हिंदी दिवस (10 जनवरी) के उपलक्ष्य में प्रतिवर्ष हिंदी वैज्ञानिक संगोष्ठी का आयोजन किया जाता रहा है। इसी क्रम में विश्व हिंदी दिवस-2022 के उपलक्ष्य में सामान्य सेवा संगठन, कल्पाक्कम के साथ संयुक्त रूप से दिनांक 10 एवं 11 जनवरी, 2022 को "समाज-कल्याण में विकिरण एवं नाभिकीय प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग" (Applications of Radiation and Nuclear Technologies for Societal Benefits) विषय पर राष्ट्रीय हिंदी वैज्ञानिक संगोष्ठी आयोजित की गई। कोविड-19 महामारी की गंभीरता को देखते हुए संगोष्ठी को पिछले वर्ष की भांति हाइब्रिड पद्धति में (ऑनलाइन एवं ऑफलाइन दोनों माध्यम से) चलाया गया। इसके लिए देश भर में स्थित परमाणु ऊर्जा विभाग की इकाईयों, प्रमुख वैज्ञानिक एवं अनुसंधान संस्थानों, सार्वजनिक उपक्रमों के प्रतिष्ठानों, अखिल भारतीय शैक्षणिक संस्थानों आदि से प्रविष्टियां मंगाई गई और अनुसंधानरत वैज्ञानिक एवं तकनीकी अधिकारियों, शोधार्थियों आदि से इस वेब-संगोष्ठी में ऑनलाइन प्रस्तुति हेतु उक्त विषय के अंतर्गत लेख आमंत्रित किए गए। इस वेब-संगोष्ठी में भाग लेने के लिए कोई पंजीकरण शुल्क नहीं रखा गया था।

2.0 संगोष्ठी का उद्देश्य

इस वेब-संगोष्ठी का उद्येश्य, विभिन्न गैर-विद्युत क्षेत्रों में विकिरण और नाभिकीय प्रौद्योगिकियों के लाभकारी उपयोग और समाज के लिए उनके महत्व को रेखांकित करते हुए तकनीकी सूचनाओं के आदान-प्रदान और प्रसार को सुलभ कराना है। साथ ही अधिकारियों को अपने वैज्ञानिक/तकनीकी लेखों को राजभाषा हिंदी में लिखने के लिए प्रेरित करते हुए हिंदी में तकनीकी ज्ञान का प्रसार और प्रोत्साहन भी इस संगोष्ठी का मुख्य उद्देश्य रहा है।

3.0 संगोष्ठी परिचय

आज हमारा देश स्वतंत्रता प्राप्ति के 75वें वर्षगांठ पर आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है। यह संगोष्ठी स्वतंत्रता प्राप्ति के कुछ ही वर्ष पश्चात देश में स्थापित परमाणु ऊर्जा विभाग की उपलब्धियों और देश के विकास में उनके योगदान को रेखांकित करती है। भारतीय परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम के तहत संचालित अनुसंधान एवं विकास कार्यों ने नाभिकीय ऊर्जा द्वारा विद्युत उत्पादन के अतिरिक्त खाद्य एवं कृषि, मानव स्वास्थ्य, जल शुद्धीकरण, उद्योग एवं पर्यावरण संरक्षण जैसे अनेक जनोपयोगी क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इन क्षेत्रों में, परमाणु ऊर्जा विभाग के अधीन कार्यरत विभिन्न इकाईयों में विकसित किए गए विकिरण एवं नाभिकीय प्रौद्योगिकी आधारित अनुप्रयोग जन-जीवन को स्वस्थ, समृद्ध एवं उन्नत बनाने में उपयोगी साबित हुए हैं। आज देश विकिरण एवं नाभिकीय प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में आत्मनिर्भर है।

4.0 आयोजन समिति

संगोष्ठी का आयोजन केंद्र के निदेशक एवं राजभाषा कार्यान्वयन समिति (राभाकास) के अध्यक्ष डॉ. बी. वेंकटरामन की प्रेरणा एवं मार्गदर्शन से संपन्न हुआ। श्री के.आर. सेतुरामन, मुख्य प्रशासनिक

अधिकारी का बहुमूल्य मार्गदर्शन आयोजन समिति को प्राप्त हुआ। संगोष्ठी की सम्पूर्ण गतिविधियों का नेतृत्व डॉ.बी.के. नशीने, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, ईएसजी ने किया। आयोजन समिति के संयोजक के रूप में डॉ. अवधेश मणि, वैज्ञानिक अधिकारी/एच एवं प्रधान, एलटीएसएस तथा सह-संयोजक के रूप क्रमश: डॉ. वाणी शंकर, वैज्ञानिक अधिकारी/जी, एवं श्री नरेंद्र कुमार कुशवाहा, वैज्ञानिक अधिकारी/एफ ने संगोष्ठी से जुड़े सम्पूर्ण तकनीकी कार्यों का निर्वाहन किया। आयोजन समिति के अन्य सदस्यों से पंजीकरण, स्मारिका-संपादन, सामग्री प्रापण जैसे सभी कार्यों में सक्रिय योगदान प्राप्त हुआ। आयोजन समिति का विवरण अनुलग्नक-'क' पर प्रस्तुत है।

5.0 उद्घाटन समारोह

वेब-संगोष्ठी का उद्घाटन सत्र 10 जनवरी, 2022 को प्रात: 10:30 बजे प्रारंभ हुआ। संगोष्ठी के संयोजक डॉ. अवधेश मणि ने स्वागत संबोधन करते हुए मुख्य अतिथि श्री एस.ए. भारद्वाज, पूर्व अध्यक्ष, एईआरबी, केंद्र के निदेशक डॉ. बी. वेंकटरामन, विशिष्ट अतिथि डॉ. बी.के. नशीने निदेशक, ईएसजी, वेबिनार में ऑनलाइन एवं ऑफलाइन माध्यम से उपस्थित सभी प्रमुख वार्ताकारों, आमंत्रित वक्ताओं, मौखिक प्रस्तुतकर्ताओं एवं सभागार में उपस्थित सभी पदाधिकारियों, सत्राध्यक्षों और प्रतिभागियों का स्वागत किया। इसके पश्चात् हिंदी संगोष्ठी के बारे एक संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत करते हुए उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष कोविड-19 संक्रमण के कारण यह संगोष्ठी केवल ऑनलाइन माध्यम से आयोजित की गई थी। इस वर्ष हम इसे हाइब्रिड पद्धति से आयोजित करने जा रहे हैं, ताकि हम बेहतर ढंग से अपने कार्यक्रम को आगे बढ़ा सके। उन्होंने यह विश्वास जताते हुए कहा

डॉ. अवधेश मणि, संयोजक सभा को संबोधित करते हुए

कि व्यक्तिगत उपस्थिति एवं सुदूर संवाद के इस मिले-जुले मंच द्वारा हमारे वार्ताकार और श्रोतागण के बीच विचारों के आदान-प्रदान में कोई कमी नहीं होगी।

5.1 विशिष्ट अतिथि का संबोधन

इस अवसर पर डॉ.बी.के. नशीने, सह निदेशक, एसएफजी, इंगांपअकें ने अपने संबोधन में कहा कि देश आजादी का 75वां वर्षगांठ मना रहा है और हमारा दायित्व है कि हम अपने वैज्ञानिक उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाएँ। आज विश्व हिंदी दिवस के मौके पर हमें अपनी उपलब्धियों को अपनी भाषा में लोगों के सामने रखने का सुअवसर प्राप्त हुआ है। हमारा विभाग भारत सरकार के प्राथमिकता वाले कार्यक्रमों में भरपूर योगदान दे रहा है। जहां कोविड-19 की महामारी हमारे लिए एक चुनौती बनी हुई है वहीं दूसरी ओर प्रौद्योगिकी ने वेब-गोष्ठियों के द्वारा इस महामारी के दौर में अपने कार्यक्रमों को आगे ले जाने का नया रास्ता प्रशस्त किया है। दरअसल, हर चुनौती अपने आप में एक अवसर बनकर आती है, उसी से हमें सीख लेते हुए

आगे बढ़ जाना है। एक कहावत है कि गुरु के बिना ज्ञान नहीं। इसी उक्ति को साकार करते हुए इस वेब-संगोष्ठी में हमारे वरिष्ठ वैज्ञानिक हमें तकनीकी मार्गदर्शन प्रदान करने जा रहे हैं, हम 100-200 लोग अलग-अलग स्थानों पर होते हुए भी वर्चुल पद्धति से एक साथ जुड़कर उनसे शिक्षा ग्रहण करेंगे। इस महामारी के पहले हम इसकी कल्पना नहीं कर सकते थे।

डॉ.बी.के. नशीने, निदेशक, ईएसजी, इगांपअकें संबोधित करते हुए

5.2 अध्यक्षीय संबोधन

केंद्र के निदेशक, डॉ. बी. वेंकटरामन ने अपने अध्यक्षीय वक्तव्य में बताया कि हमारा विभाग परमाणु ऊर्जा प्रौद्योगिकी का विकास, कृषि, चिकित्सा, उद्योग और बुनियादी अनुसंधान के क्षेत्र में विकिरण के अनुप्रयोगों में संलग्न है। परमाणु ऊर्जा एक स्वच्छ और हरित प्रौद्योगिकी है। परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम के परिपक्व पहले चरण के अंतर्गत आज एनपीसीआईएल 22 परमाणु बिजली संयंत्रों का सफलतापूर्वक संचालन कर रहा है। स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन के जरिए हम हर साल लाखों टनों की मात्रा में कार्बन उत्सर्जन को कम करने में सफल रहे हैं। साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि बीएआरसी और आईजीकार के इतिहास में पहली बार फास्ट ब्रीडर टेस्ट रिएक्टर इस साल 40 MWt के अपनी प्रामाणित क्षमता हासिल करेगा। उन्होंने भापअकें का सामाजिक अनुप्रयोग एवं चिकित्सा और उद्योग के क्षेत्र में ब्रिट के वाणिज्यिक उपलब्धियों की चर्चा की। उन्होंने इस बात पर जोर देकर कहा कि जब हम अपने विभाग की उपलब्धियों से गौरवान्वित महसूस करेंगे तभी अच्छे ब्रांड अंबासिडर बन सकते हैं और जनता में परमाणु ऊर्जा के लाभ के बारे में जागरूकता पैदा कर सकते हैं। इस सम्मेलन में पऊवि के विभिन्न इकाइयों से विभाग द्वारा संचालित विभिन्न अनुसंधान कार्यक्रमों से संबंधित विशेषज्ञ भाग ले रहे हैं। उन्होंने सम्मेलन में भाग लेने के लिए और अपने ज्ञान को साझा करने के लिए सहमति देने हेतु सभी वरिष्ठ अतिथि वक्ताओं को तहेदिल से शुक्रिया अदा किया एवं सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएँ देते हुए संगोष्ठी की सफलता की कामना की।

अध्यक्षीय संबोधन करते हुए निदेशक, इगांपअकें

अध्यक्षीय संबोधन के पश्चात, संगोष्ठी में प्राप्त सभी आलेखों को शामिल करते हुए तैयार की गई सारांश पुस्तिका का विमोचन निदेशक महोदय द्वारा किया गया। इस सारांश पुस्तिका में संगोष्ठी में प्रस्तुत होने वाले कुल 23 आलेख-संक्षेप प्रकाशित किए गए। इसके अलावा इंदिरा गांधी परमाणु

अनुसंधान केंद्र के 50 वर्षों की उपलब्धियों पर एक विशेष लेख प्रकाशित किया गया। सारांश पुस्तिका में वर्ष 2021 में आयोजित हिंदी वैज्ञानिक संगोष्ठी एवं हिंदी पखवाड़ा-2021 के आयोजन के संबंध में सचित्र रिपोर्ट भी प्रकाशित किया गया। पुस्तिका में कुल 51 पृष्ठ हैं जिसका संकलन, डिजाइन एवं संपादन हिंदी अनुभाग, इंगांपअकें के पदाधिकारियों द्वारा किया गया। इस अवसर पर केंद्र की वार्षिक गृह पत्रिका "त्रिवेणी" के 17वें अंक का ई-संस्करण भी जारी किया गया।

5.3 मुख्य अतिथि का संबोधन

इसके पश्चात् श्री एस.ए. भारद्वाज, पूर्व अध्यक्ष, एईआरबी, वेबगोष्ठी में ऑनलाइन माध्यम से जुड़े और सभी गणमान्य अतिथियों, वक्ताओं, प्रतिभागियों एवं राभाकास समिति इंगांपअकें/सासेसं के सदस्यों का अभिवादन किया। अपने संबोधन में उन्होंने वैज्ञानिक जानकारियों को हिंदी भाषा में सहज शब्दों एवं सरल भाषा-शैली में अभिव्यक्त करने पर बल दिया। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि हिंदी भाषा में वैज्ञानिक जानकारियों को साझा करते समय जिन शब्दों का हम अनायास प्रयोग करते हैं उसे हमें सायास अपने दैनिक-व्यवहार में लाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि हिंदी वैज्ञानिक संगोष्ठी के इस अवसर पर हमें अपने कार्यों में हिंदी के उपयोग के बारे में विचार करें तो हमें अपनी भाषा शैली और शब्दावली पर गौर करने की जरूरत है। हिंदी के कठिन शब्दों के स्थान पर प्रचलित अंग्रेजी शब्दों का ही प्रयोग करे तो बेहतर होगा। शुरूआत में एटामिक एनर्जी, रेडिएशन, टेंपरेचर, लाइट, रेगुलेशन आदि तकनीकी शब्दों को उसी रूप में प्रयोग करने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए क्योंकि परमाणु ऊर्जा, विकिरण, तापमान, प्रकाश, विनियमन जैसे हिंदी शब्द किसी किसी के लिए जटिल हो सकते हैं। प्रचलित अंग्रेजी शब्दों को उसी रूप में इस्तेमाल करने के लिए हिचकिचाहट नहीं होनी चाहिए। समय के साथ-साथ शब्दावली बदलती रहती है। हिंदी समाचार पत्रों की शब्दावली और भाषाशैली सभी को समझ में आता है लेकिन सरकारी आदेशों में हिंदी का जटिल रूप दिखाई देता है। हम अपने समूहों में कार्यालयों में आपसी बातचीत में हम जाने-अनजाने में हिंदी भाषा का ज्यादा प्रयोग करते है, अंग्रेजी का कम। जबकि पत्राचार, रिपोर्ट लेखन आदि जैसे औपचारिक कार्यों में हिंदी भाषा का प्रयोग नहीं करते या कम करते हैं। इस स्थिति को हमें बदलना चाहिए और हमें अपने सरकारी कार्यों में जान-बूझकर हिंदी का प्रयोग करना चाहिए। जब हम अपनी भाषा का प्रयोग करते हैं तो उससे अपनत्व और आपसी सहयोग को बढ़ावा मिलता है। अन्य गैर-अंग्रेजी देशों का उदाहरण देते हुए उन्होंने देशी-भाषा में कार्य करने के महत्व को भी रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि दुनिया के उन्नत देश जैसे रूस, जापान, चीन, दक्षिण कोरिया आदि अपनी-अपनी भाषाओं का ही इस्तेमाल ज्यादा करते हैं। परंतु ऐसा नहीं हुआ कि ये देश दुनिया के अन्य देशों से अलग-थलग पड़ गए हों और यह भी नहीं कि विज्ञान और तकनीकी शिक्षा ग्रहण करने में और जानकारी के आदान प्रदान में वे अंग्रेजी का बिलकुल इस्तेमाल नहीं करते हो। उनके विशिष्ट लोग उनकी अपनी भाषा और अंग्रेजी दोनों का प्रयोग करते हैं। हमें भी कुछ विशेष स्तर के ऊपरी लोगों को दोनों भाषाओं में दक्षता हासिल करनी चाहिए। इससे अपनी भाषा के माध्यम से देश में शिक्षा का प्रचार-प्रसार बेहतर हो सकेगा और उच्च तकनीकी ज्ञान के लिए अंग्रेजी के माध्यम से अंतर्राष्ट्रीय समुदाय के साथ संबंध बने रहेंगे। आज हमारे लिए सुखद स्थिति है कि

मोबाइल और कंप्यूटर टेक्नालाजी के बदौलत इलेक्टानिक माध्यमों पर हिंदी का प्रचलन व्यापक रूप से बढ़ रहा है। अब हम हिंदी को न सिर्फ बोलचाल के लिए बल्कि कंप्यूटर आदि पर आसानी से लिख पाने में भी समर्थ हैं इसके लिए कारगर टूल्स उपलब्ध हैं। अतः मैं यही निवेदन करता हूँ कि आप सिर्फ बोलचाल में ही नहीं बल्कि ऑफिस के कार्यों में भी हिंदी का प्रयोग स्वेच्छा से करें और विभाग की जनोपयोगी अनुप्रयोगों के बारे में लोगों में समझ बढ़ाएँ। आपके इस दो-दिवसीय संगोष्ठी के लिए शुभकामनाएँ देता हूँ।

सारांश पुस्तिका का विमोचन करते हुए निदेशक एवं राभाकस समिति के सदस्यगण

गृह पत्रिका "त्रिवेणी" के 17वें अंक के ई-संस्करण का लोकार्पण

इस अवसर पर पऊवि परिवार की सदस्या एवं कल्पाक्कम टाउनशिप के निवासी कवयित्री श्रीमती रीना चौधरी की काव्य-पुस्तिका "विविधा" का भी विमोचन केंद्र के निदेशक महोदय के हाथों किया गया।

कवयित्री श्रीमती रीना चौधरी की काव्य-पुस्तिका "विविधा" के विमोचन के अवसर पर केंद्र के निदेशक एवं अन्य पदाधिकारीगण

उद्घाटन सत्र के अंत में संगोष्ठी की सह-संयोजिका डॉ. (श्रीमती) वाणी शंकर, वैज्ञानिक अधिकारी/जी ने मुख्य अतिथि श्री एस.ए. भारद्वाज, पूर्व अध्यक्ष, एईआरबी, केंद्र के निदेशक डॉ. बी. वेंकटरामन, विशिष्ट अतिथि डॉ. बी.के. नशीने निदेशक, ईएसजी, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी श्री के. आर. सेतुरामन एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारियों को धन्यवाद ज्ञापित किया। धन्यवाद ज्ञापन में डॉ. वाणी जी ने, सत्राध्यक्ष, लेखा अनुभाग, प्रशासन अनुभाग, एसआईआरडी, कंप्यूटर प्रभाग, सभी आमंत्रित वक्तागण, आलेख प्रस्तुतकर्ता एवं राभाकास के सदस्यों के प्रति सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया और उन्हें धन्यवाद ज्ञापित किया।

संगोष्ठी की सह-संयोजिका डॉ. (श्रीमती) वाणी शंकर, वैज्ञानिक अधिकारी/जी

उद्घाटन समारोह के पश्चात, तकनीकी सत्र की शुरूआत मुख्य अतिथि श्री एस.ए. भारद्वाज, पूर्व अध्यक्ष, एईआरबी का 'समाज कल्याण एवं विकिरण' विषय पर प्लीनरी वार्ता से हुई।

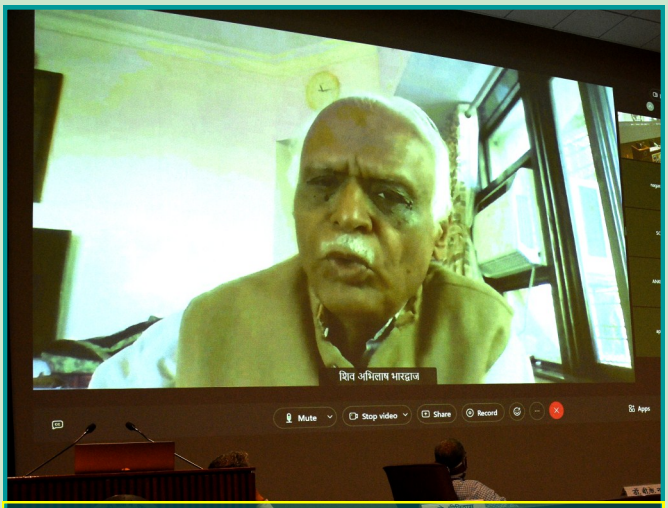

मुख्य अतिथि श्री एस.ए. भारद्वाज सभा को संबोधित करते हुए

इस दो दिवसीय संगोष्ठी को कुल चार तकनीकी सत्रों में विभाजित किया गया था। मुख्य वार्ता हेतु 30 मिनट, आमंत्रित वक्ताओं के लिए 25 मिनट एवं सहयोगी प्रस्तुतीकरण हेतु 15 मिनट का समय आबंटित किया गया। प्रत्येक व्याख्यान के बाद प्रश्नोत्तरी के लिए समय दिया गया। इंगांपअकें के

नामित प्रतिभागियों के लिए साराभाई सभागार, होमी भाभा भवन में बैठने की व्यवस्था की गई थी, और इंट्रानेट पर कार्यक्रम का सीधा प्रसारण भी किया गया था।

6.0 संगोष्ठी में प्रस्तुत वार्ताओं का विवरण

तकनीकी सत्र-1 तकनीकी सत्र-2 तकनीकी सत्र-3 तकनीकी सत्र-4	तकनीकी सत्रों में प्रस्तुत वार्ताओं और प्रस्तुतकर्ताओं का विवरण इस रिपोर्ट के अंत में संलग्न किया गया है।

6.1 प्रतिभागियों का ब्यौरा

क्रसं	श्रेणी	स्थानीय	अन्य	कुल
1	प्लीनरी वार्ता	--	01	01
2	मुख्य वार्ता	--	05	05
3	आमंत्रित वार्ता	02	05	07
4	सहयोगी प्रस्तुतिकरण	06	10	16
5	सामान्य प्रतिभागी	63	13	76
			योग	105

6.0 इस वेब-संगोष्ठी के तकनीकी सत्रों में प्रस्तुत वार्ताओं का विवरण

तकनीकी सत्र -1 -

(दिनांक 10-01-2022, सोमवार, समाय 11:20 - 13:15 बजे तक)

क्र	कोड	समय	वार्ताकार	विषय
1	P-01	11:20-11:55	श्री एस.ए. भारद्वाज	समाज कल्याण एवं विकिरण
2	K-01	11:55-12:25	प्रो. जी.के. रथ	चिकित्सा में विकिरण के उपयोग
3	I-01	12:25-12:50	श्री पुरुषोत्तम श्रीवास्तव	समाज कल्याण हेतु त्वरकों एवं सम्बंधित प्रौद्योगिकीओं का विकास एवं नविन आयाम
4	I-02	12:50-13:15	डॉ एन.वी. चंद्रशेखर	पदार्थों के व्यवहार की जाँच हेतु रेडिएशन का अनुप्रयोग

तकनीकी सत्र -2

(दिनांक 10-01-2022, सोमवार, समय 14:00 - 17:30 बजे तक)

क्र	कोड	समय	वार्ताकार	विषय
1	K-02	14:00-14:30	श्री स्वप्नेश कुमार मल्होत्रा	विकिरण एवम् रेडियो धर्मिता के 125 वर्ष के दौरान जन स्वीकार्यता के बदलते परिदृश्य"
2	I-03	14:30-14:55	डॉ. शेखर कुमार	वैकल्पिक परमाणु बिजली: मानव-पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के लिए हरित प्रौद्योगिकी
3	I-04	14:55-15:20	श्री संजय चौकसे	मुफ्त इलेक्ट्रॉन लेजर- परिचय और अनुप्रयोग
4	C-01	15:20-15:35	श्री शरीफ खान	भारतीय नाभिकीय ऊर्जा का वर्तमान परिदृश्य
5	C-02	15:35-15:50	श्री वी. चंद्रशेखर	चिकित्सा और स्वास्थ्य देखभाल में विकिरण और रेडियोआइसोटोप का अनुप्रयोग
6	C-03	15:50-16:05	श्री के.श्रीकुमार	पर्यावरण विकिरण ट्रैकिंग प्रणाली का भारतीय नेटवर्क - एक संक्षिप्त परिचय
7	C-04	16:05-16:20	श्री राजीव शर्मा	अतिसुचालक फ्यूज़न चुम्बकों के लिए न्यूट्रान प्रतिरोधी इन्सुलेशन पदार्थ का स्वदेशी विकास
8	I-05	16:35-17:00	डॉ. सुप्रिया चोपड़ा	सत्री रोग संबंधी कैंसर में बाहरी विकिरण और ब्रैकीथेरीपी की भूमिका
9	C-05	17:00-17:15	डॉ. अमित कुमार	विभिन्न प्रकार के फेसमास्क पर आयनकारी विकिरण विसंक्रमण का प्रभाव: एक समीक्षा
10	C-06	17:15-17:30	श्री अंकुश राय	फ्रंट एंड परमाणु सुविधाओं में पर्यावरण निगरानी अनुप्रयोग

तकनीकी सत्र -3

(दिनांक 11-01-2022, मंगलवार, समय 10:30 - 13:20 बजे तक

क्र	कोड	समय	वार्ताकार	विषय
1	K-03	10:30-11:00	श्री प्रदीप मुखर्जी	कृषि, औद्योगिक, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य रक्षा के क्षेत्र में विकिरण एवं रेडियो आइसोटोप के अनुप्रयोग
2	I-06	11:00-11:25	श्री शेषनाथ सिंह	चुम्बक : कण त्वरकों में कणों के खेवनहार
3	I-07	11:25-11:50	श्री राज सिंह	फ्यूजन क्रांति – कितनी भरोसेमंद?
4	C-07	11:50-12:05	श्री अप्रतिम गुप्ता	कृषि क्षेत्र में नाभिकीय प्रौद्योगिकी का योगदान
5	C-09	12:20-12:35	डॉ. ए.के. तिवारी	चिकित्सा और स्वास्थ्य देखभाल में विकिरण और रेडियोआइसोटोप

क्रसं	कोड	समय	वार्ताकार	विषय
6	C-10	12:35-12:50	श्री मनीष कुमार शाह	विकिरण प्रौद्योगिकी के माध्यम से राष्ट्र की सुरक्षा एवं आत्म निर्भरता: ईसीआईएल का योगदान
7	C-11	12:50-13:05	श्री एन. नागराज	मणवालकुरिच्ची द्वारा मोनाज़ाइट खनन और खनिज पृथक्करण का पर्यावरणीय रेडियोलॉजिकल प्रभाव-एक संक्षिप्त रिपोर्ट
8	C-12	13:05-13:20	डॉ. अनीता टोप्पो	इंगांपअकें प्रौद्योगिकियों का इन्क्यूबेशन एवं हस्तांतरण: आत्मनिर्भर भारत को गति देना

तकनीकी सत्र -4

(दिनांक 11-01-2022, मंगलवार, समय 14:00 - 16:30 बजे तक)

क्रसं	कोड	समय	वार्ताकार	विषय
1	K-04	14:00-14:30	डॉ. डी. असवाल	आयनीकरण विकिरण के लाभ
2	K-05	14:30-15:00	डॉ. अर्चना शर्मा	किरणपुंज प्रौद्योगिकी विकास वर्ग, बीएआरीसी द्वारा इलेक्ट्रान बीम एक्सीलेरेटर प्रौद्योगिकी का विकास एवं उपयोग
3	C-13	15:00-15:15	श्री राजीव राजपूत	खाद्य पदार्थों एवं कृषि उत्पादों का विकिरण द्वारा प्रसंस्करण एवं परिरक्षण
4	C-14	15:15-15:30	श्रीमती भावना	खाद्य पदार्थो एवं कृषि उत्पादों का विकिरण द्वारा प्रसंस्करण एवं परिरक्षण
5	C-16	15:45-16:00	श्री अजय कुमार केशरी	अर्धचालक धातु ऑक्साइड के संवेदक का उपयोग करके हाइड्राज़िन के मापन के लिए उपकरण व्यवस्था का विकास
6	C-17	16:00-16:15	श्री पंकज कुमार	कृषि क्षेत्र में नाभिकीय प्रौद्योगिकी का योगदान
7	C-18	16:15-16:30	श्री संजीव कुमार दुबे	समाज कल्याण में विकिरण एवं नाभिकीय प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग

सत्राध्यक्ष

डॉ. बी.के. नशीने
निदेशक, ईएसजी
इंगांपअकें, कल्पाक्कम

डॉ. शेखर कुमार
उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं प्रधान, पुनर्संसाधन प्रचालन प्रभाग
इंगांपअकें, कल्पाक्कम

डॉ. एन.वी. चंद्रशेखर
वैज्ञानिक अधिकारी/एच एवं
सह निदेशक, पदार्थ विज्ञान समूह, इंगांपअकें, कल्पाक्कम

श्री तन्मय वासल
वैज्ञानिक अधिकारी/एच एवं
प्रधान, पावर प्लांट कंट्रोल डिवीजन, इंगांपअकें, कल्पाक्कम

7.0 समापन सत्र

संगोष्ठी का समापन सत्र दिनांक 11 जनवरी, 2022 को दोपहर 16:30 बजे से प्रारंभ हुआ। इसमें सत्राध्यक्ष श्री एन.वी. चंद्रशेखर, सह-निदेशक, श्री शेखर कुमार, उत्कृष्ट वैज्ञानिक, श्री तन्मय वासल, वैअ/एच, डॉ. अवधेश मणि, संयोजक एवं उद्घोषक के रूप में श्री प्रशांत शर्मा, वैअ/जी और समिति के अन्य सदस्यों ने भाग लिया। इस सत्र के दौरान सभी वक्ताओं एवं प्रतिभगियों से संगोष्ठी के बारे में उनकी प्रतिक्रिया भी ली गई। आमंत्रित वक्ता डॉ. पुरुषोत्तम जी ने अपनी प्रतिक्रिया में कार्यक्रम काफी अच्छा और विषय-वस्तु उपयोगी होने की बात कही। उन्होंने यह भी कहा कि हरेक विषय अलग-अलग क्षेत्रों से होने कारण पूरा कार्यक्रम ज्ञानवर्धक काफी रहा। इसी क्रम में, श्री शरीफ खान, श्री राज सिंह, श्री अजय केशरी आदि ने प्रतिक्रिया स्वरूप अपने विचार व्यक्त किए औऱ कुछ महत्वपूर्ण सुझाव दिए। कुछ अन्य प्रतिभागियों ने ईमेल संदेश लिख कर कार्यक्रम को उपयोगी बताया। समापन सत्र में सत्राध्यक्ष डॉ. शेखर कुमार, डॉ. एन.वी. चंद्रशेखर एवं श्री तन्मय वासल ने तकनीकी सत्रों में प्रस्तुत आलेखों के बारे में चर्चा की और वक्ताओं की सराहना की। श्री अवधेश मणि जी ने पूरी तकनीकी टीम एवं आयोजक समिति के सदस्यों को बधाई देते कहा कि कार्यक्रम बेहद सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। साथ ही उन्होंने हिंदी अनुभाग के पदाधिकारियों की सराहना करते हुए कहा कि आपके अथक प्रयासों के परिणामस्वरूप आज कार्यक्रम सफल हुआ।

समापन सत्र के अंत में संयोजक डॉ अवधेश मणि ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए मुख्य अतिथि श्री एस.ए. भारद्वाज, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी, सत्राध्यक्ष, लेखा एवं प्रशासन अनुभाग, एसआईआरडी, कंप्यूटर प्रभाग, आमंत्रित वक्ता, प्रस्तुतकर्ता एवं राभाकास समितियों के सदस्यों के सहयोग और उनके द्वारा दिए गए अमूल्य योगदान के प्रति आभार व्यक्त किया और धन्यवाद ज्ञापित किया। राष्ट्रगान के साथ संगोष्ठी सम्पन्न हुई।

संगोष्ठी के समापन के अवसर पर सत्राध्यक्षों, आयोजकों और प्रतिभागियों के साथ सामूहिक फोटो

हमारे विशिष्ट अतिथि एवं मुख्य वक्तागण
OUR GUESTS OF HONOUR AND KEY SPEAKERS

	श्री शिव अभिलाष भारद्वाज पूर्व अध्यक्ष, परमाणु ऊर्जा विनियामक परिषद (AERB), मुंबई	मुख्य अतिथि **Shri S.A. Bhardwaj** Former Chairman, AERB, Mumbai
	प्रो. जी.के. रथ अध्यक्ष, नेशनल कैंसर इंस्टीट्यूट, AIIMS, झज्जर, प्रधान, Dr.BRAIRCH, नई दिल्ली प्रोफेसर, रेडिएशन ऑन्कोलॉजी, AIIMS, नई दिल्ली	विशिष्ट अतिथि **Prof. G.K. Rath** Head, NCI, AIIMS, Jhajjar Chief, Dr. BRAIRCH Professor, Radiation Oncology,AIIMS, NEW DELHI-110029
	डॉ. डी.के. असवाल निदेशक स्वास्थ्य संरक्षा एवं पर्यावरण समूह, भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र, मुंबई	**Dr. D.K. Aswal** Director, HS & EG, BARC Ex-Director CSIR-NPL; Ex-Chairman, NABL; Ex-Secretary, AEES, Mumbai
	श्री प्रदीप मुखर्जी मुख्य कार्यकारी अधिकारी विकिरण एवं आइसोटोप प्रौद्योगिकी बोर्ड (BRIT), नवी मुंबई	**Shri Pradip Mukherjee** Chief Executive Board of Radiation and Isotope Technology,Navi Mumbai
	श्री स्वप्नेश कुमार मल्होत्रा पूर्व अध्यक्ष, जन-जागरूकता प्रभाग, परमाणु ऊर्जा विभाग (DAE), मुंबई	**Shri S.K. Malhotra** Former Head, Public Awareness Division (PAD), DAE Mumbai
	श्री पुरुषोत्तम श्रीवास्तव निदेशक, प्रोटान एक्सीलेटर समूह राजा रामन्ना प्रगत प्रौद्योगिकी केंद्र, इंदौर	**Shri Purushottam Shrivastava** Director, Proton Accelerator Group Raja Ramanna Centre for Advanced Technologies (RRCAT), Indore
	डॉ. एन.वी. चंद्रशेखर सहायक निदेशक, एमएसजी, प्रधान, सीएमपीडी, एमएसजी इंगांपअकें, कल्पाक्कम	**Dr. N. V. Chandra Shekhar** ASSOCIATE DIRECTOR, MSG Head, CMPD, Materials Science Group IGCAR, Kalpakkam
	डॉ. अर्चना शर्मा निदेशक, किरणपुंज प्रौद्यिगिकी विकास समूह भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र, मुंबई	**Dr. Archana Sharma** Director, Beam Technology Development Group Bhabha Atomic Research Centre, Mumbai
	डॉ. शेखर कुमार उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं प्रधान आरपीओडी, पुनर्संसाधन समूह इंगांपकें, कल्पाक्कम	**Dr. Shekhar Kumar** Outstanding Scientist and Head RpOD Reprocessing Group IGCAR, Kalpakkam
	डॉ. सुप्रिया चोपड़ा प्रोफेसर, एसीटीआरईसी टाटा स्मारक केंद्र, मुंबई	**Dr. Supriya Chopra** Professor, ACTREC Tata Memorial Centre, Mumbai
	श्री राज सिंह वैज्ञानिक अधिकारीएच प्लाज़्मा अनुसंधान संस्थान, गाँधीनगरए गुजरात	**Shri Raj Singh** SO/H, Institute of Plasma Research (IPR) Gandhinagar

अनुलंग्नक-क : : वेब संगोष्ठी में भाग लेने वाले प्रतिभागियों की सूची

प्रस्तुतकर्ताओं का विवरण (ऑनलाइन)

क्र	प्रस्तुतकर्ता का नाम	पदनाम	यूनिट / संस्थान
1	श्री एस.ए. भारद्वाज	पूर्व अध्यक्ष	एईआरबी, मुंबई
2	प्रो. जी.के. रथ	अध्यक्ष	नेशनल कैंसर इंस्टीट्यूट, एम्स, नई दिल्ली
3	श्री स्वप्नेश कुमार मल्होत्रा	पूर्व प्रधान	जन जागरूकता प्रभाग, पऊवि, मुंबई
4	श्री प्रदीप मुखर्जी	मुख्य कार्यकारी	ब्रिट, नवी मुंबई
5	डॉ डी. असवाल	निदेशक, एचएस एंड ईजी	भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र, मुंबई
6	डॉ. अर्चना शर्मा	निदेशक, बीटीडीजी	भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र, मुंबई
7	श्री पुरुषोत्तम श्रीवास्तव	निदेशक, प्रोटॉन एक्सीलेरेटर समूह	राजा रामन्ना प्रगत प्रौद्योगिकी केन्द्र, इंदौर
8	श्री संजय चौकसे	प्रमुख, नियोजन एवं मशीनिंग अनुभाग	राजा रामन्ना प्रगत प्रौद्योगिकी केन्द्र, इंदौर
9	डॉ सुप्रिया चोपड़ा	एमडी, डीएनबी एवं प्रोफेसर	एसीटीआरईसी, टाटा मेमोरियल सेंटर, मुंबई
10	श्री शेषनाथ सिंह	प्रमुख, त्वरक चुम्बक प्रौद्योगिकी प्रभाग	राजा रामन्ना प्रगत प्रौद्योगिकी केन्द्र, इन्दौर
11	श्री राज सिंह	वैज्ञानिक अधिकारी/एच	प्लाज़्मा अनुसंधान संस्थान, गाँधीनगर
12	श्री शरीफ खान	वैज्ञानिक सहायक-ई,	आरएपीएस, एनपीसीआईएल, राजस्थान
13	श्री वी. चंद्रशेखर	उप महाप्रबंधक	आईआरईआरसी, कोल्लम
14	श्री के.श्रीकुमार	वैज्ञानिक अधिकारी/ई	भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र, मुंबई
15	श्री राजीव शर्मा	वैज्ञानिक अधिकारी/डी	प्लाज्मा अनुसंधान संस्थान, गाँधीनगर
16	श्री अंकुश राय	वैज्ञानिक अधिकारी/डी	एसएमएफसी परियोजना विरल पदार्थ परियोजना मैसूर
17	श्री अप्रतिम गुप्ता	वैज्ञानिक अधिकारी/सी	एसएमएफसी परियोजना विरल पदार्थ परियोजना, मैसूर
18	डॉ. ए.के. तिवारी	उप परियोजना प्रबंधक	एसएमएफसी परियोजना विरल पदार्थ परियोजना, मैसूर
19	श्री मनीष कुमार शाह	अभियंता	ईसी.आई.एल. हैदराबाद.
20	श्री एन. नागराज	वरिष्ठ रसायनशास्त्री	आईआरईएल, मनवलाकुरूची
21	श्रीमती भावना	मैनेजर (वि एंव ले)	एनपीसीआईएल, राजस्थान
22	श्री अमीर अलताफ	रिसर्च स्कॉलर	जामिया मिलिया इस्लामिया नई दिल्ली
23	श्री युसूफ सिद्दीकी	रिसर्च स्कॉलर	जामिया मिलिया इस्लामिया नई दिल्ली
	प्रस्तुतकर्ताओं का विवरण (स्थानीय)		
1	डॉ एन.वी. चंद्रशेखर	सह निदेशक	पदार्थ विज्ञान समह इंगांपअकें, कल्पाक्कम
2	डॉ शेखर कुमार	उत्कृष्ठ वैज्ञानिक	इंगांपअकें, कल्पाक्कम
3	डॉ. अमित कुमार	वैज्ञानिक अधिकारी/ई	इंगांपअकें, कल्पाक्कम
4	श्रीमती अनीता टोप्पो	वैज्ञानिक अधिकारी/एफ	इंक्यूबेशन सेंटर, इंगांपअकें, कल्पाक्कम
5	अजय कुमार केशरी	वैज्ञानिक अधिकारीडी/	इंगांपअकें, कल्पाक्कम
6	श्री पंकज कुमार	एएफएम	बीएआरसीएफ, कल्पाक्कम
7	श्री संजीव कुमार दुबे	तकनीशियन/डी	बीएआरसीएफ, कल्पाक्कम

सामान्य प्रतिभागी (ऑनलाइन)			
क्र	प्रस्तुतकर्ता का नाम	पदनाम	यूनिट / संस्थान
1	श्री विनोद जे	कनिष्ठ हिंदी अनुवादक	एमएसएमई, चेन्नै
2	कु. प्रतिभा गुप्ता	वैज्ञानिक अधिकारीएफ/	आईपीआर, गाँधीनगर
3	डॉ. संध्या दवे	हिंदी अधिकारी	आईपीआर, गाँधीनगर
4	डॉ. राजनारायण अवस्थी	वरिष्ठ हिंदी अधिकारी	ईसीआईएल, हैदराबाद
5	श्री चिप्पाडा अम्बेडकर	कनिष्ठ हिंदी अनुवादक	ईसीआईएल, हैदराबाद
6	श्रीमती कनका श्रीमहालक्ष्मी	कनिष्ठ हिंदी अनुवादक	ईसीआईएल, हैदराबाद
7	श्री अजहर सुल्तान	प्रवर श्रेणी लिपिक	ईसीआईएल, हैदराबाद
8	अब्दुर रहीम	रिसेर्च स्कॉलर	जामिया मिलिया, नई दिल्ली
9	महम्मद इकलख मीर	रिसेर्च स्कॉलर	जामिया मिलिया, नई दिल्ली
10	डॉ अनिल कुमार शर्मा	प्रोफेसर, इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी संकाय	जामिया मिलिया, नई दिल्ली
11	सुश्री नीतू कुर्रा	वैज्ञानिक अधिकारी	ब्रिट, मुंबई
सामान्य प्रतिभागी (स्थानीय)			
1	डॉ के. सुजाता	वैज्ञानिक अधिकारी/एफ	इंगांपअकें, कल्पाक्कम
2	डॉ एन. सुब्रमणियन	वैज्ञानिक अधिकारी/एच	इंगांपअकें, कल्पाक्कम
3	डॉ. आर. एम. सरगुना	वैज्ञानिक अधिकारी/एफ	इंगांपअकें, कल्पाक्कम
4	डॉ. ए. टी. सत्यनारायण	वैज्ञानिक अधिकारी/एफ	इंगांपअकें, कल्पाक्कम
5	डॉ. रंजीत रामचन्द्रन	वैज्ञानिक अधिकारी/ई	इंगांपअकें, कल्पाक्कम
6	डॉ. किशोर कुमार मदपु	वैज्ञानिक अधिकारी/डी	इंगांपअकें, कल्पाक्कम
7	डॉ. शेख मंसूर अली	वैज्ञानिक अधिकारी/जी	इंगांपअकें, कल्पाक्कम
8	डॉ. एच. शेषाद्रि	वैज्ञानिक अधिकारी/एच	इंगांपअकें, कल्पाक्कम
9	डॉ. सी. आनंदन	वैज्ञानिक अधिकारी/एफ	इंगांपअकें, कल्पाक्कम
10	श्रीमती सी. जयालक्ष्मी	वैज्ञानिक सहायक/ई	इंगांपअकें, कल्पाक्कम
11	डॉ. शैलेष जोशी	वैज्ञानिक अधिकारी/ई	इंगांपअकें, कल्पाक्कम
12	डॉ. सत्यनारायण पाणिग्राही	वैज्ञानिक अधिकारी/ई	इंगांपअकें, कल्पाक्कम
13	डॉ. हेमन्त कुमार	वैज्ञानिक अधिकारी/एफ	इंगांपअकें, कल्पाक्कम
14	श्री भावना उनिकेला	वैज्ञानिक अधिकारी/डी	इंगांपअकें, कल्पाक्कम
15	श्री मंतोष मंडल	वैज्ञानिक अधिकारी/सी	इंगांपअकें, कल्पाक्कम
16	श्री अविनाश गोपालन	वैज्ञानिक अधिकारी/डी	इंगांपअकें, कल्पाक्कम
17	श्री अनिकेत सिंगवाड़	वैज्ञानिक अधिकारी/सी	इंगांपअकें, कल्पाक्कम
18	श्री अनिल कुमार साहू	वैज्ञानिक अधिकारी/ई	इंगांपअकें, कल्पाक्कम
19	श्री सौरभ तिवारी	वैज्ञानिक अधिकारी/डी	इंगांपअकें, कल्पाक्कम
20	श्री सुभद्रा देवी पी	वैज्ञानिक सहायक/ई	इंगांपअकें, कल्पाक्कम

21	श्री विवेक सिंह	वैज्ञानिक अधिकारी/डी	इंगांपअकें, कल्पाक्कम
22	श्री अमित कुमार चौहान	वैज्ञानिक अधिकारी/डी	इंगांपअकें, कल्पाक्कम
23	श्री मनीष चंद्र	वैज्ञानिक अधिकारी/डी	इंगांपअकें, कल्पाक्कम
24	श्री मयंक रावत	वैज्ञानिक अधिकारी/सी	इंगांपअकें, कल्पाक्कम
25	श्री राजीव कुमार झा	वैज्ञानिक सहायक/डी	इंगांपअकें, कल्पाक्कम
26	श्रीमती अमृता सेन	वैज्ञानिक सहायक/डी	इंगांपअकें, कल्पाक्कम
27	श्री सुकांत कुमार रॉय	वैज्ञानिक सहायक/एफ	इंगांपअकें, कल्पाक्कम
28	श्री आनंद कुमार	तकनीशियन/सी	इंगांपअकें, कल्पाक्कम
29	श्री गौतम आनंद	वैज्ञानिक अधिकारी/ई	इंगांपअकें, कल्पाक्कम
30	श्री सुभाष चंद्र	वैज्ञानिक अधिकारी/डी	इंगांपअकें, कल्पाक्कम
31	श्री अरविंद प्रसाद	वैज्ञानिक अधिकारी/डी	इंगांपअकें, कल्पाक्कम
32	श्री सौरभ सुमन	वैज्ञानिक सहायक/ई	इंगांपअकें, कल्पाक्कम
33	श्री दिनेश कुमार वर्मा	वैज्ञानिक सहायक/डी	इंगांपअकें, कल्पाक्कम
34	श्री जयेंद्र गेलतार	वैज्ञानिक अधिकारी/ई	इंगांपअकें, कल्पाक्कम
35	श्रीमती रीना चौधरी	आमंत्रित लेखिका	टाउनशिप, कल्पाक्कम
36	श्री मदन कुमार चौधरी	वित्त अधिकारी	भाविनी, कल्पाक्कम
37	श्री राजू पांडेय	वरिष्ठ हिंदी अधिकारी	भाविनी, कल्पाक्कम
38	श्री मोहित कुमार यादव	वैज्ञानिक अधिकारी/डी	इंगांपअकें, कल्पाक्कम
39	श्री अमन कुमार दुबे	सीआईएसएफ, कल्पाक्कम	इंगांपअकें, कल्पाक्कम
40	श्री सी.एस. कुमार	सीआईएसएफ, कल्पाक्कम	इंगांपअकें, कल्पाक्कम
41	श्री आर.के. शर्मा	सीआईएसएफ, कल्पाक्कम	इंगांपअकें, कल्पाक्कम
42	श्री चंद्र भान	सीआईएसएफ, कल्पाक्कम	इंगांपअकें, कल्पाक्कम
43	श्री उत्पल बोरा	वैज्ञानिक अधिकारी/जी	इंगांपअकें, कल्पाक्कम
44	श्री तन्मय वासल	वैज्ञानिक अधिकारी/एच	इंगांपअकें, कल्पाक्कम
45	डॉ. बी. वेंकटरामन	निदेशक, इंगांपअकें	इंगांपअकें, कल्पाक्कम
46	डॉ. बी.के. नशीने	निदेशक, ईएसजी	इंगांपअकें, कल्पाक्कम
47	श्री के.आर. सेतुरामन	मुख्य प्रशासनिक अधिकारी	इंगांपअकें, कल्पाक्कम
48	डॉ. अवधेश मणि	वैज्ञानिक अधिकारी/एच	इंगांपअकें, कल्पाक्कम
49	डॉ. वाणी शंकर	वैज्ञानिक अधिकारी/जी	इंगांपअकें, कल्पाक्कम
50	श्री नरेन्द्र कुमार कुशवाह	वैज्ञानिक अधिकारी/जी	इंगांपअकें, कल्पाक्कम
51	श्री प्रशांत शर्मा	वैज्ञानिक अधिकारी/जी	इंगांपअकें, कल्पाक्कम
52	श्री वी. प्रवीण कुमार	वैज्ञानिक अधिकारी/एफ	इंगांपअकें, कल्पाक्कम
53	श्री प्रणय कुमार सिन्हा	वैज्ञानिक अधिकारी/ई	इंगांपअकें, कल्पाक्कम
54	डॉ. एन.पी.आई. दास	वैज्ञानिक अधिकारी/ई	इंगांपअकें, कल्पाक्कम
55	श्री स्थितप्रज्ञा पट्टनायक	वैज्ञानिक अधिकारी/सी	इंगांपअकें, कल्पाक्कम
56	श्री जे. श्रीनिवास	उप निदेशक (राजभाषा)	इंगांपअकें, कल्पाक्कम
57	श्री सुकांत सुमन	कनिष्ठ अनुवाद अधिकारी	इंगांपअकें, कल्पाक्कम
58	श्री जितेंद्र कुमार गुप्ता	प्रवर श्रेणी लिपिक	इंगांपअकें, कल्पाक्कम
59	श्री एस. ए. मेश्राम	मुख्य प्रशासनिक अधिकारी	जीएसओ, कल्पाक्कम
60	श्रीमती वनजा नागराजू	वैज्ञानिक अधिकारी/जी	जीएसओ, कल्पाक्कम
61	श्री सी. पार्थसारथी	प्रशासन अधिकारी-III	जीएसओ, कल्पाक्कम
62	श्री के.वी. माधव दास	प्रशासन अधिकारी-III	जीएसओ, कल्पाक्कम
63	श्री वी.के. जानकीरामन	वरिष्ठ लेखा अधिकारी	जीएसओ, कल्पाक्कम

राजभाषा कार्यान्वयन समिति
इंदिरा गाँधी परमाणु अनुसंधान केंद्र, कल्पाक्कम-603 102

1	अध्यक्ष Chairman	डॉ. बी. वेंकटरामन,निदेशक, इंगाँपअकें Dr. B. Venkatraman, Director, IGCAR
2	वैकल्पिक अध्यक्ष Alternate Chairman	डॉ. बी.के. नशीने, निदेशक, ईएसजी Dr. B.K. Nashine, Director, ESG

सदस्य MEMBERS			
3	श्री के.आर. सेतुरामन Shri K.R. Sethuraman	मुप्रअ CAO	
4	श्रीमती एस. जयाकुमारी Smt. S. Jayakumari	प्रशा. अधि.III AO-III	**प्रशासन और लेखा सदस्य**
5	श्रीमती राधिका साईकण्णन Smt. Radhika Saikannan	उलेनि DCA	
6	श्रीमती जस्सी जैकॉब Smt. Jussy Jacob	प्रशा. अधि.III AO-III	
7	डॉ. अवधेश मणि Dr. Awadhesh Mani	वैअ/एच SO/H	**वैज्ञानिक एवं तकनीकी सदस्य**
8	डॉ. वाणी शंकर Dr. Vani Shankar	वै.अ./जी SO/G	
9	श्री नरेन्द्र कुमार कुशवाह Shri Narendra Kumar Kushwaha	वै.अ./जी SO/G	
10	श्री प्रशांत शर्मा Shri Prashant Sharma	वै.अ./जी SO/G	
11	श्री वी. प्रवीण कुमार Shri V. Praveen kumar	वैअ/एफ SO/F	
12	श्री प्रणय कुमार सिन्हा Shri Pranay Kumar Sinha	वैअ/ई SO/E	
13	डॉ. एन.पी.आई. दास Dr N.P.I. Das	वैअ/ई SO/E	
14	श्री अजय कुमार केशरी Shri Ajay Kumar Keshari	वैअ/ई SO/E	
15	श्री अमित कुमार चौहान Shri Amit Kumar Chouhan	वैअ/डी SO/D	
16	श्री स्थितप्रज्ञा पट्टनायक Shri Sthitapragyan Pattanayak	वैअ/सी SO/C	
17	जे. श्रीनिवास, उनि (राजभाषा) J. Srinivas, DD(OL)	सदस्य-सचिव Member Secretary	

हिंदी वैज्ञानिक वेब-संगोष्ठी आयोजन समिति –2022

संरक्षक

डॉ. बी. वेंकटरामन
प्रतिष्ठित वैज्ञानिक एवं निदेशक, इंगांपअकें
अध्यक्ष, राभाकास, इंगांपअकें

उप- संरक्षक

डॉ. बी.के. नशीने
निदेशक, ईएसजी एवं
वैकल्पिक अध्यक्ष, राभाकास, इंगांपअकें

परामर्श एवं मार्गदर्शन

श्री के.आर. सेतुरामन
मुख्य प्रशासनिक अधिकारी
सह अध्यक्ष, राभाकास, इंगांपअकें

श्रीमती राधिका साई कण्णन
उप लेखा नियंत्रक, इंगांपअकें

तकनीकी सहयोग

श्री मोहित कुमार यादव
वैज्ञानिक अधिकारी/डी, इंगांपअकें

क्रय समिति

श्री प्रणय कुमार सिन्हा
वैज्ञानिक अधिकारी/ई, इंगांपअकें
श्री अमित कुमार चौहान
वैज्ञानिक अधिकारी/डी, इंगांपअकें
श्रीमती प्रीति एस. उबाले
सहायक लेखा अधिकारी, इंगांपअकें

खान-पान व्यवस्था

श्री पलवेसामुथु
जनरल मैनेजर कैंटीन

संपादन मंडल

डॉ. अवधेश मणि
वैज्ञानिक अधिकारी/एच, इंगांपअकें

डॉ. (श्रीमती) वाणी शंकर
वैज्ञानिक अधिकारी/जी, इंगांपअकें

श्री प्रशांत शर्मा
वैज्ञानिक अधिकारी/जी, इंगांपअकें

श्री नरेन्द्र कुमार कुशवाहा
वैज्ञानिक अधिकारी/एफ, इंगांपअकें

श्री जे. श्रीनिवास
उप निदेशक (राजभाषा), इंगांपअकें

संपादन सहयोग

श्री सुकांत सुमन
कनिष्ठ अनुवाद अधिकारी, इंगांपअकें

श्री जितेन्द्र कुमार गुप्ता
यूडीसी, इंगांपअकें

लेआउट एवं पृष्ठ डिज़ाइन

श्री जितेन्द्र कुमार गुप्ता
यूडीसी, इंगांपअकें

छायाचित्र

श्री ई.प्रेम, श्री वेदगिरी, श्री सतीश
एसआईआरडी, इंगांपअकें

संपर्क सूत्र

उप निदेशक (राजभाषा)
हिंदी अनुभाग
इंदिरा गांधी परमाणु अनुसंधान केंद्र
कल्पाक्कम-603102, जिला– चेंगलपट्टू
तमिलनाडु
दूरभाष– 044– 27480500-22748/22829
ईमेल– ddol@igcar.gov.in

संगोष्ठी के समापन के अवसर पर सत्राध्यक्षों, आयोजकों और प्रतिभागियों के साथ सामूहिक फोटो

संगोष्ठी के समापन के अवसर पर सामूहिक फोटो